an>

Title: Regarding Tourism related plans concerning Gupta period Surya Temple and Dev Taal in Deoria Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh

डॉ. रमापति राम त्रिपाठी (देवरिया): उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जनपद के मेरे संसदीय क्षेत्र (देवरिया) तहसील तमकुही राज के ग्राम महुअवा बुजुर्ग स्थित गुप्तकालीन सूर्यं मंदिर एव देव ताल धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन के महत्व का प्राचीन केन्द्र है । महान इतिहासकार व देश के प्रथम पुरातत्वविद ए. सी. एल. कार्लाईल ने अपने कुशीनगर प्रवास के दौरान गुप्तकालीन सूर्य मंदिर परिक्षेत्र की पहचान भारीयोगी के टीले व पार्श्व मे स्थित बड़े तालाब को देव ताल के रूप मे चिन्हित कर अपने गोरखपुर गजेटियर मे इसका उल्लेख किया । इस स्थान की सामान्य खुदाई मे 2 सूर्य प्रतिमाओ के साथ बडी संख्या मे पुरावशेष भी प्राप्त हुए है । जिसे उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व संगठन के तत्कालीन निदेशक एस. के. सिंह, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एच के नारायण सहित गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अनेक इतिहासकार व पुरातत्व विदों ने इन प्रतिमाओ का काल निर्धारण उत्तर गुप्ता* काल के रूप मे किया । तुरपट्टी महुअवा सूर्य मंदिर के लिऐ देवताल का महत्वपूर्ण स्थान है क्योंकि यह सूर्य मंदिर देवताल के दक्षिणी तट पर स्थित है । पूर्वी उत्तर प्रदेश का यह एक मात्र सूर्यमंदिर देश के सबसे प्राचीनतम सूर्य प्रतिमाओ वाला सूर्य मंदिर है । 41 वर्षो के अंतराल मे शासन ने सूर्य मंदिर व देवताल के पर्यटन विकास की कोई योजना नही बनाई है जब कि देव ताल का सौंदर्यीकरण, नौकायन, तैराकी व जलक्रीडा को प्रोत्साहित कर, देव ताल पर महोत्सव एवं मेलों का आयोजन कर बडी संख्या मे स्थानीय ही नही बल्की पडोसी बिहार वासियो को भी यहा पर्यटन के लिए आकर्षित कर सकते है । अत: मेरा आग्रह है कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना *भारत स्वदेश दर्शन* से सूर्य मंदिर की अवस्थापना सुविधा, ऐतिहासिक,

पुरातात्विक व हिन्दू धर्म संस्कृति पर आधारित पुस्तकालस व संग्रहालय व देवताल के समन्वित पर्यटन विकास हेतु आवश्यक कदम उठाए जायें।